# RAJYA SABHA

*Thursday, the 3rd May, 1962/the 13th Vaisakha, 1884 (Saka)*

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

## MEMBERS SWORN

Shri Nikunja Behari Maiti (West Bengal).

Shri K. V Reddy (Andhra Pradesh).

---

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

**लघु उद्योगों की उन्नति के सम्बन्ध में विधेयक**

*२२१. **श्री भगवत नारायण भार्गव:** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मन्त्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि क्या सरकार लघु उद्योगों की उन्नति तथा विनियमन तथा अन्य सम्बन्धित मामलों का उपबन्ध करने वाला कोई विधेयक उपस्थित करने का विचार रखती है ?

†[BILL FOR PROMOTION OF SMALL-SCALE INDUSTRIES

*221. SHRI B N. BHARGAVA. Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state whether Government propose to bring forward a Bill providing for the promotion and regulation of small-scale industries and other allied matters?]

**वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री एन० कानूनगो):** अभी ऐसा कोई विचार नहीं है ।

†[THE MINISTER OF INDUSTRY IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI N. KANUNGO): There is no such proposal at present.]

**श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या ऐस्टीमेट कमेटी ने गवर्नमेंट को इस सम्बन्ध में कोई सुझाव दिया था ?

**श्री एन० कानूनगो :** ऐस्टीमेट कमेटी ने सुझाव दिया था । इसके अलावा स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज बोर्ड ने इस सम्बन्ध में विचार किया और एक कमेटी मुकर्रर की है और प्लानिंग कमीशन इस पर विचार कर रहा है । लेकिन इस सम्बन्ध में अभी कोई कानून बनाने की जरूरत नहीं है ।

**श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या गवर्नमेंट इस बात से सहमत नहीं है कि जो आर्गनाइजेशन डेवलपमेंट कमिश्नर आफ स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज और नेशनल स्माल स्केल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन है और जो दूसरे लघु उद्योग संगठन है उनके बीच समन्वय रखने के लिये किसी कानून की आवश्यकता नहीं है ?

**श्री एन० कानूनगो :** समन्वय रखने की कोशिश की जाती है और कानून के बगैर भी समन्वय रहता है । जो कान्स्टीट्यूशन है उसके अनुसार स्माल स्केल इण्डस्ट्री स्टेट सबजेक्ट है और इसकी जिम्मेदारी स्टेट्स पर है । पार्लियामेंट का इस बारे में कितना दखल हो इस बारे में विचार किया जा रहा है ।

**श्री देवकीनन्दन नारायण :** क्या माननीय मन्त्री जी कृपा करके बतलायेंगे कि कौन-कौन स्टेट्स में स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज के बोर्ड कायम हैं ?

**श्री एन० कानूनगो :** करीब सब स्टेट्स में हैं ।

**श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया :** क्या माननीय मन्त्री जी बतलाने की कृपा करेंगे कि भारत सरकार की एक्सपोर्ट ज्यादा करने की नीति है तो इस चीज को दृष्टि में रखते हुए स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज को बढावा देने के लिए कोई नियमन करने की आवश्यकता है ?

**श्री एन० कानूनगो :** नियमन करने की हमेशा कोशिश की जाती है और यह काम अच्छी तरह से हो रहा है । इस समय सवाल यह है कि कानून की जरूरत है या नहीं ।

†[ ] English translation.